प्राथमिक स्तर पर आकाशवाणी द्वारा प्रसारित 'अनुगूँज' कार्यक्रम की प्रभाविता का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

D-123

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा
की
आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत
लघु शोध प्रबन्ध

C

1998—99

निर्देशक:
डॉ. एन.डी. जैन
प्रवाचक(शिक्षा संकाय)

शोधकर्ती:
कु. मनीषा मंगल
एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
श्यामलाहिल्स, भोपाल — 462013

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **कु. मनीषा मंगल,** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की नियमित छात्रा है । इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध **"प्राथमिक स्तर पर आकाशवाणी द्वारा प्रसारित रेडियो पाठों की प्रभाविता का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है । यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है ।

प्रस्तुत लघु शोध कार्य बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. परीक्षा 1998-99 की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है ।

स्थान : भोपाल
दिनांक: 27-2-99

निर्देशक

डॉ. एन. डी.जैन
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

आभार

रेडियो प्रसारित 'अनुगूँज' कार्यक्रम छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के लाभ के लिये अगस्त 1998 से ही प्रारम्भ हुआ था । नवीन विषय होने के कारण कुछ कठिनाईयों का सामना अवश्य हुआ, परन्तु इनका समाधान हमारे मार्गदर्शक डॉ. एन. डी.जैन, प्रवाचक ने अपने धैर्य आत्मीयता व वात्सल्यपूर्ण सहयोग से मेरा जो मार्गदर्शन किया वह सदा स्मरणीय रहेगा । आपने मुझे व्यस्तता के बावजूद समय-समय पर दिशा निर्देश दिया । इसके लिये मैं इनकी अत्यन्त आभारी हूँ ।

मैं माननीय प्रोफेसर जी.रवीन्द्रा, प्राचार्य एवं प्रोफेसर मंजीत सेनगुप्ता, अध्यक्ष शिक्षा विभाग एवं अधिष्ठाता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल की अत्यन्त आभारी हूँ जिनकी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से लघु शोध पूर्ण कर सकी हूँ ।

मैं समस्त शिक्षा विभाग के गुरूजनों की कृतज्ञ हूँ जिनसे प्ररेणा, स्नेह व सहयोग सदा मिलता रहा ।

मैं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, भोपाल के अपर निदेशक श्री रवीन्द्र मालव जी एंव आकाशवाणी, भोपाल के निदेशक तथा डाइट के सदस्यों की हृदय से आभारी हूँ जिन्होने प्रदत्तो के संकलन में मुझे विशेष सहयोग दिया ।

मैं पुस्तकालय परिवार के समस्त सहयोगियों को हृदय से धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने आवश्यकतानुसार मेरी सहायता की, साथ ही अपने सहपाठियों की आभारी हूँ जिन्होने प्रदत्तों के संकलन में मुझे विशेष सहयोग दिया ।

मैं आभारी हूँ अपने परम आदरणीय माता-पिता की एवं भाई की जिन्होंने मुझे इस लघु शोध कार्य को पूर्ण करने हेतु समय-समय पर प्रोत्साहित किया और मेरी सहायता की ।

मनीषा मंगल

कु. मनीषा मंगल

एम.एड.(प्रारम्भिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

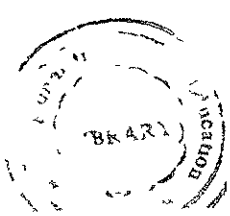

☼☼ अनुक्रमणिका ☼☼

अध्याय		पृष्ठ क्रमांक
	अध्याय प्रथम	
1.0	प्रस्तावना	1–8
1.1	मध्य प्रदेश में शैक्षिक प्रसारण कार्यक्रम	
1.2	शैक्षिक संवाद कार्यक्रम	
1.3	अनुगूँज कार्यक्रम	
1.4	कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण	
1.5	कार्यक्रम की रूपरेखा	
1.6	शोध के उद्देश्य	
1.7	चर	
1.8	शोध का सीमांकन	
1.9	मान्यतायें	
	अध्याय द्वितीय	
2.0	संबंधित अध्ययनों का पुनरीक्षण	9–17
2.1	प्रस्तावना	
2.2	विदेशों में किये गये अध्ययन	
2.3	भारत में किये गये अध्ययन	
	अध्याय तृतीय	
3.0	शोध प्रविधि एवं न्यादर्श	18–21
3.1	शोध प्रविधि	
3.2	न्यादर्श का चयन	

अध्याय		पृष्ठ क्रमांक
3.3	शैक्षिक उपकरण	
3.4	प्रश्नावली का निर्माण एवं विकास	
3.5	प्रदत्त संकलन	
3.6	प्रदत्तों का संकलन हेतु प्रयुक्त तकनीकी	
3.7	सांख्यिकीय विधियाँ	
	अध्याय चतुर्थ	
4.0	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	22–33
4.1	प्रस्तावना	
4.2	'अनुगूँज' कार्यक्रम के संदर्भ में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विशेषज्ञों के अभिमत का विश्लेषण	
4.3	'अनुगूँज' कार्यक्रम की अच्छाईयाँ	
4.4	'अनुगूँज' कार्यक्रम की कमियाँ	
4.5	'अनुगूँज' कार्यक्रम के लिये सुझाव	
	अध्याय पाँच	
5.0	शोध सार एवं निष्कर्ष	35–41
5.1	भूमिका	
5.2	संक्षेपिका	
5.3	निष्कर्ष एवं व्याख्या	
5.4	सुझाव	
5.5	भावी शोध हेतु समस्यायें	
	संदर्भ ग्रन्थ सूची	
	परिशिष्ट	